कार्यनीति ब्लूप्रिंट

डिजिटल नवाचार द्वारा संचालित परिवेशी प्रबंधन हेतु प्रतिबद्ध

कार्यनीतिक प्राथमिकताएँ

उभरते हुए बैंकिंग परिदृश्य के आलोक में, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया भारत को सतत विकास की ओर अग्रसर करते हुए डिजिटल उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है. बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी संचालित व्यवधान की व्यापक प्रवृत्ति हमारी कार्यनीतिक प्राथमिकताओं को नया आकार दे रही है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हम इन बदलावों का सामना करने में कुशल बने रहें हैं.

संवहनीयता के चैंपियन के रूप में, हम जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की तात्कालिकता को पहचानते हैं. यह जागरूकता अर्थव्यवस्था को डीकार्बोनाइज करने और 2050 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन हासिल करने की हमारी खोज के केंद्र में है, यह एक यात्रा है जो महत्वपूर्ण व्यवहार परिवर्तन और सभी क्षेत्रों में गैर-कार्बन प्रौद्योगिकियों की बड़े पैमाने पर तैनाती की मांग करती है.

हमारे कार्यनीतिक एजेंडे को रेखांकित करते हुए हमारा मिशन है, "डिजिटल कौशल के माध्यम से संवहनीयता हेतु प्रतिबद्ध" हमारी महत्वाकांक्षा हर किसी के लिए अवसर का युग बनाने के लिए तकनीकी नवाचार और डिजिटल कौशल का उपयोग करना है. हमें यह सुनिश्चित करना है कि हमारे ग्राहकों को हमारे उत्पादों, सलाह और समाधानों की एक श्रृंखला तक पहुंच हो जो उन्हें अवगत वित्तीय निर्णय लेने और उनके जीवन और कारोबार आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सशक्त बनाती है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया संवहनीयता हेतु डिजिटल नवाचार का लाभ उठाता है. हम डिजिटल, अवगत वित्तीय निर्णयों के साथ ग्राहकों को सशक्त बनाते हुए 2050 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन की ओर बढ़ रहे हैं.

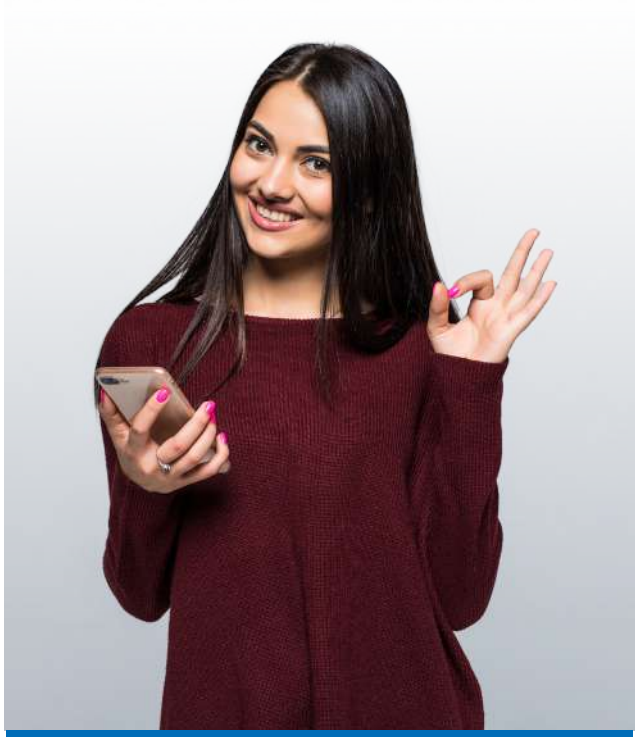

हमारी कार्यनीति आठ प्रमुख प्राथमिकताओं द्वारा निर्देशित है:

कार्यनीतिक प्राथमिकताएँ	विवरण	संकेत
1. हमारे ग्राहकों के वित्तीय स्थिति में सुधार करना	एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में, हम अपनी डिजिटल दक्षता और डेटा अंतर्दृष्टि द्वारा संचालित व्यक्तिगत सलाह से अपने ग्राहकों की वित्तीय सहायता में सुधार करने का प्रयास करते हैं.	
2. एक संवहनीय भविष्य की ओर हमारे ग्राहकों के परिवर्तन को सुविधाजनक बनाना	संवहनीयता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, हम स्थायी वित्त और नवीन समाधानों का उपयोग करके अपने ग्राहकों को हरित भविष्य की राह पर ले जाने में सहायता करते हैं.	
3. हमारी ग्राहक पहुंच का विस्तार करना	पैमाने की शक्ति पर ध्यान देने के साथ, हमारा लक्ष्य अपने डिजिटल और भौतिक चैनलों पर अपने ग्राहक आधार का विस्तार करके सतत विकास में तेजी लाना है.	
4. परिचालन उत्कृष्टता प्राप्त करना	अपनी डिजिटल क्षमताओं का लाभ उठाते हुए, हम सरलीकृत प्रक्रियाओं और मूल्य केंद्रित लेनदेन मॉडल के माध्यम से एक उत्कृष्ट ग्राहक अनुभव प्रदान करना चाहते हैं.	
5. एक गतिशील और समर्पित टीम को तैयार करना	संवहनीयता और डिजिटल सशक्तिकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता से निर्देशित हमारी टीम एक कार्यनीतिक प्राथमिकता रखती है. हम एक समावेशी और वैविध्यपूर्ण संस्कृति को बढ़ावा देते हैं जो सभी के लिए प्रतिभा संवर्धन और विकास के अवसरों को बढ़ावा देती है	
6. डिजिटल क्षमता बढ़ाना	हमारी कार्यनीति के केंद्र में प्राथमिक चालकों के रूप में डेटा और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर हमारा जोर है. हमारा उन्नत डेटा विश्लेषण और सुरक्षित प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचा हमें बेहतर निर्माण करने में सक्षम बनाता है ताकि हम ग्राहकों की समस्याओं का समाधान कर सकें.	
7. संवहनीयता को बढ़ावा देना	हम अपने परिचालन में संवहनीयता को शामिल करने और हितधारकों के बीच इसका प्रचार-प्रसार करने के लिए समर्पित हैं. अपने पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और टिकाऊ प्रथाओं को व्यापक रूप से बढ़ावा देने के माध्यम से, हमारा लक्ष्य एक लचीले, टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान करना है.	
8. सक्रिय विनियामक अनुपालन	ईमानदारी के साथ सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखते हुए, हम सक्रिय रूप से विनियामक मानदंडों का पालन करने और अनुपालन की संस्कृति को बढ़ावा देने को प्राथमिकता देते हैं. अपने सशक्त अनुपालन ढांचे के माध्यम से, हम उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं और विनियमों के साथ संरेखण सुनिश्चित करते हैं	

कार्यनीति ब्लूप्रिंट

डिजिटल कौशल के माध्यम से संवहनीयता हेतु प्रतिबद्ध

हमारी प्रगति को ट्रैक करने के लिए, हमने प्रमुख कार्यनिष्पादन संकेतक (केपीआई) के एक सेट की पहचान की है, जो वित्तीय और गैर-वित्तीय पहलुओं दोनों की निगरानी करता है. संवहनीयता और डिजिटल कौशल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के साथ जुड़े ये कार्यनीतिक केपीआई, योजना और बजट से लेकर संसाधन आवंटन, निवेश प्राथमिकता, और कार्यनिष्पादन-आधारित पारिश्रमिक तक हमारी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं का मार्गदर्शन करते हैं. नीचे एक सारणीबद्ध प्रतिनिधित्व है जो हमारी कार्यनीतिक प्राथमिकताओं को संबंधित संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएनएसडीजीए) वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) मानक, और स्थिरता लेखा मानक बोर्ड (एसएएसबी) मानक से जोड़ता है:

कार्यनीति प्राथमिकता	यूएनएसडीजी	जीआरआई मानक	एसएएसबी मानक
1. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की कार्यनीतिक प्राथमिकताएं		जीआरआई 203 (अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव), जीआरआई 404 (प्रशिक्षण एवं शिक्षा)	एफ़एन-सीबी-270ए 1 (वित्तीय समावेशन एवं क्षमता निर्माण), एफ़एन-सीबी-270ए 2. (ग्राहक गोपनीयता एवं डाटा सुरक्षा)
2. संवहनीय भविष्य की ओर हमारे ग्राहकों के परिवर्तन को सुविधाजनक बनाना		जीआरआई 201 (आर्थिक कार्यनिष्पादन), जीआरआई 305 (उत्सर्जन)	एफ़एन-सीबी-410ए.1 (जलवायु जोखिम प्रबंधन), ए. फएन-सीबी-410ए.2 (जलवायु परिवर्तन कारोबार व्यवधान घटनाएं)
3. ग्राहक आउटरीच का विस्तार करना		जीआरआई 203 (अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव), जीआरआई 417 (विपणन एवं लेबलिंग)	एफ़एन-सीबी-270ए.3 (ग्राहक गोपनीयता एवं डाटा सुरक्षा), ए. फएन-सीबी -550ए.1 (बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच)
4. परिचालनात्मक उत्कृष्टता प्राप्त करना		जीआरआई 302 (ऊर्जा), जीआरआई 305 (उत्सर्जन), जीआरआई 416 (ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा)	एफ़एन-सीबी-000.बी (प्रणालीगत जोखिम प्रबंधन), एफ़एन-सीबी-510ए.1 (डाटा सुरक्षा)
5. गतिशील एंड समर्पित टीम को तैयार करना	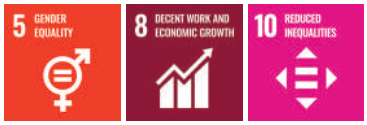	जीआरआई 401 (रोजगार), जीआरआई 404 (प्रशिक्षण एवं शिक्षा), जीआरआई 405 (विविधता एवं समान अवसर)	एफ़एन-सीबी-30ए.1 (श्रम अभ्यास), एफ़एन-सीबी-330ए.2 (रोजगार विविधता)

कार्यनीति प्राथमिकता	यूएनएसडीजी	जीआरआई मानक	एसएएसबी मानक
6. डिजीटल दक्षता बढ़ाना	9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE 17 PARTNERSHIPS FOR THE GOALS	जीआरआई 418 (ग्राहक गोपनियता), जीआरआई 306 (प्रवाह और अपशिष्ट)	एफ़एन-सीबी-230ए.1 (प्रणालीगत जोखिम प्रबंधन), एफ़एन-सीबी-550ए.2 (डाटा सुरक्षा), एफ़एन-सीबी-510ए.1 (ग्राहक गोपनीयता एवं डाटा सुरक्षा)
7. संवहनीयता को बढ़ावा देना	12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION 13 CLIMATE ACTION	जीआरआई 301 (सामग्री), जीआरआई 302 (ऊर्जा), जीआरआई 305 (उत्सर्जन)	एफ़एन-सीबी-410ए.1 (जलवायु परिवर्तन कारोबार व्यवधान घटनाएं), एफ़एन-सीबी-410ए.3 (जलवायु जोखिम प्रबंधन)
8. सक्रिय विनियामक अनुपालन	16 PEACE, JUSTICE AND STRONG INSTITUTIONS	जीआरआई 307 (पर्यावरण अनुपालन), जीआरआई 419 (सामाजिक अनुपालन)	एफ़एन-सीबी-510ए. 2 (विधि एवं विनियामक पर्यावरण का प्रबंधन), एफ़एन-सीबी-510ए.3 (गंभीर घटना जोखिम प्रबंधन)